चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

नववर्ष संदेश – 2024

मेरे प्रिय साथियों एवं प्यारे विद्यार्थियों,

नववर्ष की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस शुभ अवसर पर मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि नववर्ष देश और सम्पूर्ण मानव जाति के लिए सुख-शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो। आप व आपके परिवार के लिए मंगलकारी हो और आपके सभी शुभ संकल्प पूर्ण हों।

यह हम सभी के लिए अत्यन्त हर्ष व गौरव का विषय है कि आज पुन: यह विश्वविद्यालय उपलब्धियों भरा वर्ष पीछे छोड़ रहा है। मैं इन उपलब्धियों को हासिल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अपने शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आभार प्रकट करता हूं। मैं नववर्ष की पावन बेला पर आशा करता हूं कि भविष्य में भी आप सब सहयोग, भाईचारे व सद्भावना के साथ-साथ अपनी योग्यता व कौशल का परिचय देते हुए अपने विश्वविद्यालय के गौरवमयी इतिहास में नए आयाम जोड़ने में सहयोगी बनेंगे।

गत वर्ष कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के नाम अनेक उपलब्धियां जुड़ी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हमारे विश्वविद्यालय ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में यह विश्वविद्यालय शामिल रहा है।

विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग और चारा अनुभाग को क्रमश: बाजरा व ज्वार फसलों में श्रेष्ठ अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर लगातार दूसरी बार वर्ष 2022-23 के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किए गए हैं। इसी प्रकार सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग को भी सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। इन अनुभागों के वैज्ञानिकों ने फसलों की नई उन्नत किस्में विकसित की जिनमें सरसों की आरएच 1424 व 1706 तथा ज्वार की एचजे 1514, एचजेएच 1513 एवं सीएसवी 53एफ किस्में शामिल हैं। साथ ही मटर की एचएफपी 1426 किस्म भी बिजाई के लिए अधिसूचित की गई है। इनके अतिरिक्त गेहूं की डब्ल्यू एच 1402, जई की एचएफओ 915, 917 व 1014, सरसों की आरएच 1975, मूंग की एमएच 1762 (ग्रीष्म ऋतु) व एमएच 1772 (खरीफ मौसम), मक्का की एचक्यूपीएम-28 (चारा) और एचक्यूपीएम-29 (अनाज), मसूर की एलएच 17-19, फाबा बीन की एचएफबी 3 और अंतर-संस्थागत मक्का के तीन संकर राष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित किए गए हैं। इसी प्रकार धान की एचकेआर 49, चना की एचके 5, गन्ना की सीओएच 176, अश्वगंधा की एचएजी-1, मूंगफली की जीएनएच 804 और भिंडी की एचबी 13-11-3 किस्में राज्य स्तर पर चिन्हित की गई हैं। हमारे वैज्ञानिक दो नवीन अविष्कार करने में भी सफल हुए हैं। उन्होंने ज्वार की फसल में नई बीमारी व इसके कारक जीवाणु क्लेबसिएला वैरीकोला की खोज की है। वैश्विक स्तर पर ज्वार फसल में इस तरह की बीमारी का पहली बार पता चला है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ 2022 के दौरान हरियाणा में धान के पौधों में देखी गई बौनेपन की समस्या के पीछे स्पाइनारियोविरिडे वायरस समूह की पहचान की।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट अनुसंधानों पर भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से 5 पेटेंट, 3 कॉपीराइट व 5 डिजाइन प्रदान किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने अपने यहां विकसित प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विभिन्न गैर सरकारी बीज कंपनियों के साथ 8 नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस एग्रीमेंट किए हैं। विश्वविद्यालय के इस प्रयास से हरियाणा के साथ अन्य राज्यों के किसानों को भी फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ प्राप्त हो सकेगा। विश्वविद्यालय ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ भी एक एमओयू किया है जिससे किसानों को मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार स्थापित करने में मदद मिलेगी।

हमने बीते वर्ष विश्वविद्यालय का 25वां दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु जी रहीं, जबकि हरियाणा के माननीय राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने दीक्षांत समोह की अध्यक्षता की। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी अति विशिष्ट अतिथि और कृषि मंत्री श्री जेपी दलाल जी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दीक्षांत समारोह में 1 अगस्त 2021 से 30 सितंबर 2022 के दौरान शिक्षा पूरी कर चुके विश्वविद्यालय के 865 विद्यार्थियों को स्नातक, परास्नातक एवं डॉक्टरेट की उपाधियां प्रदान की गईं और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 124 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

गत वर्ष भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का भी विश्वविद्यालय परिसर में शुभागमन हुआ। विश्वविद्यालय और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 (रबी) के उद्घाटन अवसर पर वे बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे और कृषि क्षेत्र में अपने ज्ञान से किसानों का मार्गदर्शन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी और कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल जी ने भी इस कृषि विकास मेला में उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाई। उन्होंने रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों/संकरों के लगभग 2.02 करोड़ रूपए के बीज भी खरीदे।

किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहता है। गत वर्ष किसानों को नवीन कृषि प्रौद्योगिकी की जानकारी देने के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के अतिरिक्त जिला और गांव स्तर पर भी किसान मेलों, गोष्ठियों, प्रशिक्षणों, खेत दिवसों व अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। अनुसूचित जाति व जनजाति के बेरोजगार युवकों और ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए अनेक रोजगार परक प्रशिक्षण आयोजित किए गए और उन्हे छोटे स्तर पर स्वरोजगार आरम्भ करने के लिए आवश्यक सहायक सामग्री वितरित की गई। प्रदेश के दक्षिण भाग के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने नूंह जिला में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिसका प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने शिलान्यास किया।

विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षा और अनुसंधान कार्यों को वैश्विक स्तर पर और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के साथ तथा पोलैंड के वारसॉ विश्वविद्यालय के साथ शिक्षा व अनुसंधान क्षेत्रों में परस्पर एक दूसरे का सहयोग करने के लिए एमओयू किए हैं, जिनके अंतर्गत संयुक्त अनुसंधान, स्टीक कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए इंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रों और शोधकर्ताओं के आदान-प्रदान आदि को बढ़ावा मिलेगा।

हमने विश्वविद्यालय परिसर में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर परिसर में नवनिर्मित सिंथैटिक टेनिस कोर्ट, शहीद मदन लाल ढींगड़ा मल्टीपर्पज हॉल में वातानुकुलित जिम, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में राबोटिक्स लैब के लोकापर्ण के साथ फार्म मशीनरी एवं पॉवर इंजीनियरिंग विभाग में ट्रेक्टर एवं फार्म मशीनरी वर्कशॉप भवन का शिलान्यास किया।

गत वर्ष विश्वविद्यालय में विश्व उद्यमिता दिवस मनाया गया। हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय जी इस अवसर पर मुख्यातिथि रहे। हमने 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन किया। यह सम्मेलन ऐतिहासिक रहा क्योंकि इस सम्मेलन में 14 देशों से 900 से अधिक वैज्ञानिकों व शोद्यार्थियों ने भाग लिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने इस सम्मेलन के साथ कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। हमने 'जलवायु परिवर्तन के दौर में कृषि से खाद्य सुरक्षा और स्थिरता' विषय पर भी तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जिसमें जापान, कनाडा, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, पौलेंड आदि अनेक देशों से वैज्ञानिकों ने भाग लिया। हमने बेहतर फसल प्रजनन के लिए 'फिजियोलॉजी, फिनोमिक्स और जीनोमिक्स' विषय पर 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया।

उपरोक्त के अतिरिक्त 'भविष्य के स्वर्णिम भारत के परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के सहयोग से 'बायोमास रूपातंरण तकनीक द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, '41वीं अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय कार्यशाला' और अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ ईलिनोइस के सहयोग से '21वीं सदी में कृषि का भविष्य' विषय पर व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ ईलिनोइस के चांसलर डॉ. रोबर्ट जे. जॉन्स मुख्य वक्ता रहे। विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय 'स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव' भी आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हमारे लिए सदैव सर्वोपरि रहा है। इसलिए विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हमारे यहां स्थापित उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों और ढाँचागत सुविधाओं के परिणामस्वरूप हमारा विश्वविद्यालय न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान रखता है। विदेशी छात्र भी यहां शिक्षा प्राप्त करने को प्राथमिकता दे रहें हैं। आज यहां लगभग 20 देशों के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गत वर्ष हमारे विभिन्न कॉलेजों के 26 विद्यार्थियों का चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसिस, प्राग में दो माह के प्रशिक्षण, 19 विद्यार्थियों का एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एआईटी), थाईलैंड में दो माह के प्रशिक्षण, 10 विद्यार्थियों का पौलेंड के वारसॉ विश्वविद्यालय में और 14 विद्यार्थियों का आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ। विश्वविद्यालय के एक छात्र सोनू का चयन आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पीएचडी डिग्री पाठ्यक्रम में हुआ है, जहां उन्हे शिक्षा के दौरान ट्यूशन फीस में छूट के साथ प्रतिवर्ष 30 हजार आस्ट्रेलियन डॉलर की छात्रवृति भी मिलेगी। इसी प्रकार डॉ. मंजीत का अमेरिका के कृषि विभाग में पोस्ट-डॉक्टरल वैज्ञानिक के रूप में चयन हुआ है। उन्हे 70 लाख रुपये सालाना की फैलोशिप प्रदान की गई है।

मेरा विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों से आग्रह है कि नववर्ष में हम सबको मिलकर नई ऊर्जा, असीम उत्साह और आत्मविश्वास के साथ दृढ़ संकल्पित होकर अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ना है और कृषक समाज की समृद्धि के लिए समर्पित होकर अपने विश्वविद्यालय को देश और दुनिया में श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की श्रृंखला में स्थापित करना है। आइये इस पावन बेला पर सब मिलकर यह संकल्प लें कि नववर्ष में हम और अधिक परिश्रम एवं धैर्य से कार्य करते हुए कृषि क्षेत्र और देश के विकास में आने वाली प्रत्येक चुनौती के समाधान का भरपूर प्रयास करेंगे।

आप सभी को पुनः नववर्ष की शुभकामनाएं।

प्रोफेसर बलदेव राज काम्बोज
कुलपति